

मसिर के संकटापन्न गदिधों के लिये सुरक्षित स्थल

संदर्भ
अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की सूची में संकटापन्न प्राणी के रूप में शामिल मसिर का गदिध पंजाब में मानव आवास के परिसर में प्रजनन कर रहा है। इसकी संख्या एक जोड़े से बढ़कर आठ जोड़े हो गई है। पक्षी प्रेमियों के लिये यह एक सुखद आश्चर्य से कम नहीं है।

प्रमुख बंदि

- यह किसी आश्चर्य से कम नहीं है कि मसिर के गदिध को सफलतापूर्वक पंजाब में एक मानव नविस के भीतर प्रजनन करते हुए देखा जा सकता है और इससे अधिक महत्त्वपूर्ण बात यह है कि यह यहाँ का एक नविसी बन गया है।

मसिर का सफेद गदिध

- इसका वैज्ञानिक नाम नियोफ्रोन पेरकनोटेरस (Neophron percnopterus) है। भारत में यह सफेद गदिध के नाम से जाना जाता है।
- सफेद गदिध अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ के अनुसार एक संकटापन्न प्राणी है। यह पहले अमेरिकी महाद्वीप से लेकर एशिया एवं अफ्रीका तक पाया जाता था।
- इसे अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की लाल सूची में लुप्तप्राय (Endangered) जीव के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- पक्षियों के संरक्षण के लिये काम कर रहे एक वैश्विक भागीदारी संगठन बर्ड लाइफ इंटरनेशनल के अनुसार, मसिर के गदिधों की वर्तमान वैश्विक आबादी 12,000 से 38,000 तक होने का अनुमान है।
- मसिर के गदिध आमतौर पर पहाड़ों की चट्टानों पर, इमारतों की छतों और पेड़ के ऊपर अपने घोंसले का निर्माण करते हैं।
- ये प्रजातियाँ शायद ही कभी अपने भोजन का शिकार करती हैं। इनका आहार जानवरों, पक्षियों और सरीसृपों के मृत शव होते हैं।